सांध्य दैनिक
4PM

कृत्रिम सुख की बजाये ठोस उपलब्धियों के पीछे समर्पित रहिये।
डॉ. अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 10 • अंकः 215 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, बुधवार, 11 सितम्बर, 2024

भाजपा सांप्रदायिक तनाव भड़का... 7 | नेकां और पीडीपी की राह नहीं... 3 | कमजोर बूथों पर पूरी ताकत... 2

एकबार फिर राहुल गांधी ने पीएम मोदी को घेरा

कई मामलों में फेल हुई एनडीए सरकार

अमेरिका यात्रा के तीसरे दिन कई मुद्दों पर खुलकर बोले नेता प्रतिपक्ष

- आरक्षण मुद्दे पर मायावती फिर भड़कीं, शाह ने भी घेरा
- भारत विरोध से जुड़े इल्हाम से राहुल की मुलाकात पर भाजपा बौखलाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अमेरिका दौरे के तीसरे दिन भी प्रधानमंत्री मोदी व उनकी सरकार पर हमलावर रहे। उन्होंने वॉशिंगटन में बातचीत में चीन के साथ सीमा विवाद, भारत की उत्पादन क्षमता समेत कई अहम मसलों पर खुलकर बात की। राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने चीन के साथ सीमा विवाद को सही तरीके से नहीं संभाला है। कई मामले में एनडीए सरकार नाकाम रही।

उन्होंने अमेरिका और भारत के बीच उत्पादन के क्षेत्र में सहयोग की वकालत की और कहा कि चीन के गैर-लोकतांत्रिक उत्पादन मॉडल का मुकाबला करने के लिए दोनों देशों को साथ आना होगा। इन सबके बीच कांग्रेस नेता राहुल भारत में अपने आरक्षण संबंधी बयान पर विपक्षी निशाने पर आ गए हैं। बीएसपी प्रमुख मायावती ने एक बार फिर से सोशल मीडिया के जरिए प्रतिक्रि या दी है। वहीं इसी मुद्दे पर गृहमंत्री ने भी नेता प्रतिपक्ष को घेरा है। इसी के साथ भारत विरोधी अभियान में लगे इल्हाम से राहुल के मुलाकात पर भी भाजपा ने कड़ा एतराज जताया है। राहुल गांधी के मुलाकात की तस्वीरें सामने आने पर भाजपा ने कांग्रेस और उनपर निशाना साधा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में हमला बोलते हुए लिखा देशविरोधी बातें करना और देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होना राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की आदत सी बन गई है। यह लगातार तीसरा दिन था जब राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर हमला किया।

चीन सीमा विवाद पर बुरी तरह फेल हुए पीएम मोदी : राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि चीन के सैनिकों ने लद्दाख में दिल्ली के आकार जितनी जमीन पर कब्जा कर लिया है, और मुझे लगता है कि यह एक आपदा है। मीडिया इसके बारे में लिखना पसंद नहीं करता है। अगर कोई पड़ोसी देश अमेरिका के 4,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर ले तो अमेरिका की क्या प्रतिक्रिया होगी? क्या कोई राष्ट्रपति यह कहकर बच सकता है कि उसने इसे अच्छी तरह से संभाला है? इसलिए, मुझे नहीं लगता कि मोदी ने चीन को अच्छी तरह से संभाला है। मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि चीनी सैनिक हमारे क्षेत्र में क्यों बैठे हैं। राहुल गांधी ने 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई खूनी झड़प का जिक्र करते हुए कहा कि चीन ने उस समय से ही पूर्वी लद्दाख में ŗष्ट पर यथास्थिति को आक्रामक तरीके से बदलने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के 50,000 से ज्यादा सैनिक ŗष्ट पर तैनात हैं और किसी भी एकतरफा कार्रवाई को रोकने के लिए उनके पास आधुनिक हथियार हैं। चीन के उत्पादन मॉडल पर भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी बात रखी।

भारत जोड़ो यात्रा करने के लिए हमें मजबूर किया गया

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा को भारत में लोकतांत्रिक संस्थाओं की विफलता के जवाब में आवश्यक कदम बताया। गांधी की टिप्पणी एक प्रेस वार्ता के दौरान आई, जहां उन्होंने कहा कि यात्रा शुरू करने का निर्णय लोगों से सीधे जुड़ने की आवश्यकता से प्रेरित था। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने अपनी टिप्पणी में सुझाव दिया कि यह यात्रा देश में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के ठीक से काम न करने के रूप में उनके द्वारा महसूस की गई प्रतिक्रिया है। उन्होंने कहा, हमें राजनीतिक रूप से यात्रा निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि लोकतंत्र में सामान्य रूप से काम करने वाले सभी साधन काम नहीं कर रहे। गांधी के अनुसार, पार्टी को लगा कि जनता से सीधे जुड़ने के अलावा उसके पास कोई विकल्प नहीं था, उनका मानना ??है कि यह कदम जनता के दिलों में गहराई से उतर गया। राजनीतिक और पेशेवर स्तर पर, यात्रा एक आवश्यकता थी। लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर, यह कुछ ऐसा था जो मैं हमेशा से करना चाहता था।

फाइल फोटो

इंडिया गठबंधन का दृष्टिकोण भाजपा के एजेंडे से अलग

राहुल गांधी ने 26 विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ब्लॉक की भविष्य की दिशा के बारे में भी बात की। उन्होंने जोर देकर कहा कि गठबंधन का दृष्टिकोण भाजपा के केंद्रीकरण और एकाधिकार के एजेंडे से मौलिक रूप से अलग होगा। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत जैसे लोकतंत्रों में विनिर्माण क्षेत्र पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। वाशिंगटन में बोलते हुए, गांधी ने तर्क दिया कि भारत के साथ-साथ पश्चिम ने दुनिया के उत्पादक के रूप में अपनी भूमिका चीन को सौंप दी है, और सुझाव दिया कि उस पद को पुनः प्राप्त करना एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक लाभ प्रदान कर सकता है।

आरक्षण को कोई छू भी नहीं सकता : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री और पूर्व अध्यक्ष अमित शाह ने राहुल पर हमला बोला है। अमित शाह ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देश विरोधी बातें करना और देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होना राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की आदत सी बन गई है। चाहे जम्मू-कश्मीर में जेकेएसी के देशविरोधी और आरक्षण विरोधी एजेंडे का समर्थन करना हो, या फिर विदेशी मंचों पर भारत विरोधी बातें करनी हो, राहुल गांधी ने देश की सुरक्षा और भावना को हमेशा आहत किया है। अमित शाह ने आगे लिखा कि भाषा से भाषा, क्षेत्र से क्षेत्र और धर्म से धर्म में भेदभाव लाने की बात करना राहुल गांधी की विभाजनकारी सोच को दर्शाता है। राहुल गांधी ने देश से आरक्षण को समाप्त करने की बात कह कर कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा एक बार फिर से देश के सामने लाने का काम किया है। मन में पड़े विचार और सोच किसी न किसी माध्यम से बाहर आ ही जाते हैं। मैं राहुल गांधी को बताना चाहता हूं कि जब तक भाजपा है, आरक्षण को कोई छू भी नहीं सकता और देश की एकता के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता।

गुमराह करने वाली गलतबयानी कर हैं राहुल : मायावती

मायावती ने कहा, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अब यह सफाई कि वे आरक्षण के विरुद्ध नहीं हैं स्पष्टतः गुमराह करने वाली गलतबयानी। केन्द्र में बीजेपी से पहले इनकी 10 साल रही सरकार में उनकी सक्रियता में इन्होंने सपा के साथ मिलकर एससी/एसटी का पदोन्नति में आरक्षण बिल पास नहीं होने दिया इसका यह प्रमाण। बीएसपी चीफ ने कहा, इनके द्वारा देश में आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से बढ़ाने की बात भी छलावा, क्योंकि इस मामले में अगर इनकी नीयत साफ होती तो कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों में यह कार्य जरूर कर लिया गया होता। कांग्रेस ने न तो ओबीसी आरक्षण लागू किया और न ही एससी/एसटी आरक्षण को सही से लागू किया। उन्होंने कहा, इससे स्पष्ट है कि जब कांग्रेस सत्ता में नहीं होती है तो इन उपेक्षित एससी/एसटी/ओबीसी र्गों के वोट के स्वार्थ की खातिर इनके हित व कल्याण की बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन जब सत्ता में रहती है तो इनके हित के विरुद्ध लगातार कार्य करती है, ये लोग इनके इस षडयंत्र से सजग रहें।

कमजोर बूथों पर पूरी ताकत लगाएं : अखिलेश

सपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं को दिया 2027 का लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव आगामी विस चुनाव 2027 के लिए अभी से जुट गए हैं। लोकसभा चुनाव में जीत से उत्साहित सपा मुखिया ने कार्यकर्ताओं से कहा कि अभी कमजोर बूथों पर मेहनत करें ताकि वहां पर वोट सपा के पक्ष में आ सके। उन्होंने इस अवसर पर भाजपा पर हमला भी बोला। उन्होंने कहा कि कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा का चार सौ पार का नारा हवा हो गया।

वहीं, सपा देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे यूपी में पूर्ण बहुमत की सपा की सरकार बनाने के लिए कमजोर बूथों को मजबूत करने का काम अभी से शुरू कर दें। सजातीय नेताओं की स्थानीय स्तर पर सभाएं कराकर इस लक्ष्य को हासिल करना है। अखिलेश यादव ने मंगलवार को प्रदेश सपा मुख्यालय पर बरेली के पार्टी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के साथ कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भाजपा की गलत नीतियों के कारण उत्तर प्रदेश विकास के क्षेत्र में बहुत पीछे चला गया है। भाजपा सरकार ने अपने सात वर्ष के कार्यकाल में छात्र, नौजवान, व्यापारी, किसान, मजदूरों का शोषण किया है।

पीडीए ही लोगों को खुशहाल जिंदगी दे सकता है

अखिलेश ने कहा पुलिस हिरासत में मौतें नहीं थम रही हैं। फर्जी एनकाउंटर का भी रिकार्ड कायम हो गया है। अब पीडीए ही एकमात्र विकल्प है जो लोगों को खुशहाल जिंदगी दे सकता है। उधर, अखिलेश यादव ने सपा मुख्यालय पर यूपी के प्रथम मुख्यमंत्री भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

फर्जी एनकाउंटरों में 60 फीसदी लोग पीडीए के मारे गए

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स के माध्यम से कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि यदि एनकाउंटर पर कोई शक है तो न्यायालय में जाकर गुहार लगाएं। ऐसे लोगों से बस इतना पूछना है कि क्या न्यायालय से किसी की जान भी वापस मिल सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में एनकाउंटर का आंकड़ा गैर कानूनी हत्याओं की नाइंसाफी का भी आंकड़ा है। साथ ही पीडीए के विरुद्ध हुए अन्याय का भी। फर्जी मुठभेड़ में मारे गए 60 प्रतिशत लोग पीडीए से हैं, जबकि 21 प्रतिशत के बारे में जातिगत आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

अब नीतीश कुमार न ही आएं : लालू यादव

भाजपा नहीं छोड़ने के बयान पर राजद सुप्रीमो ने बिहार के सीएम को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव आज मुंबई के लिए रवाना हुए, लेकिन इससे पहले उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए दो टूक कहा। उन्होंने नीतीश कुमार के भाजपा नहीं छोड़ने पर कहा- कोई बात नहीं। लालू यादव ने अपने ही अंदाज में कहा कि-ठीक है नीतीश जी नहीं आएंगे तो मत आएं। वहीं दूसरी ओर तेजस्वी यादव ने कहा कि वह आभार यात्रा के प्रथम चरण में कार्यकर्ताओं से जन संवाद करने निकले हैं।

दरअसल केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर बिहार आये थे। इस मौके पर दोनों नेताओं ने कई विकास की योजनाओं का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जेपी नड्डा के साथ मंच साझा करते हुए कहा कि दो बार गलती हो गई है, अब ऐसा नहीं करेंगे। अब इधर-उधर नहीं जाएंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस बयान के बाद कांग्रेस ने भी प्रतिक्रिया दी थी। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कई बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ भी मंच से यह बात कहा है कि अब वह इधर-उधर नहीं जाएंगे। यह बात उन्होंने तब कही जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनाव के समय चुनावी सभा को संबोधित करने बिहार आये थे।

कांग्रेस ने भी किया था पलटवार

मुख्यमंत्री नीतीश के इस बयान पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि इधर नहीं जाएंगे उधर नहीं जाएंगे यही बोल बोल के तो आते-जाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बिहार के लोगों का भला करना चाहिए, लॉ एंड ऑर्डर ठीक करना चाहिए, बिहार के युवाओं की बेरोजगारी खत्म करनी चाहिए, बिहार के शिक्षा व्यवस्था को सुधारना चाहिए, लोगों की आमदनी को बढ़ाना चाहिए, लेकिन वह यह सब काम नहीं करेंगे। इन सभी मुद्दों पर बात होनी चाहिए, लेकिन वह सिर्फ इधर-उधर की बात ही करते रहते हैं।

भाजपा में 100 करोड़ में टिकट बेचे गए : देवेंद्र कादियान

प्रदेश उपाध्यक्ष ने छोड़ी भाजपा, सात नेताओं का बीजेपी से इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। भाजपा की दूसरी सूची जारी होने के बाद पार्टी के कई और नेताओं ने बगावत कर दी है। युवा नेता देवेंद्र कादियान ने टिकट नहीं मिलने पर भाजपा पर 100 करोड़ रुपये देकर टिकट देने का आरोप लगाया।

भारतीय कुश्ती संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कादियान ने फेसबुक पर लाइव आकर पार्टी छोड़ने और आजाद उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का एलान किया। कादियान के अलावा पार्टी के छह और नेताओं ने भी टिकट नहीं मिलने पर भाजपा छोड़ने का एलान किया। इनमें असंध के पूर्व विधायक जिले राम शर्मा, भाजपा किसान मोर्चा के अंबाला जिला प्रभारी सोनू हरयौली, प्रदेश प्रवक्ता सत्यव्रत शास्त्री, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष व प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष यादव, रेवाड़ी से भाजपा नेता सतीश यादव और नारनौल से पूर्व जिला प्रधान व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शिवकुमार मेहता ने भी सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। भाजपा के तीन बागियों को आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को अपना प्रत्याशी बनाकर चुनाव मैदान में उतार दिया। भाजपा छोड़ने वाले देवेंद्र कादियान गन्नौर से टिकट मांग रहे थे। भाजपा ने यहां से देवेंद्र कौशिक को टिकट दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने 100 करोड़ रुपये में टिकट दिया है। टिकट कटने के मामले में उन्होंने त्रिपुरा के एक नेता पर भी आरोप लगाए। कादियान ने कहा कि देवेंद्र कौशिक व उनके भाई पूर्व सांसद रमेश कौशिक ने सोनीपत के लोकसभा प्रत्याशी रहे मोहन लाल बरौली का चुनाव में विरोध किया और पार्टी ने उन्हें ही टिकट थमा दिया।

भाजपा ने जम्मू कश्मीर का शोषण करने के लिए इसे यूटी बनाया : सोलंकी

चुनाव बाद तय होगा सीएम का चेहरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी व पूर्व केंद्रीय मंत्री भरत सिंह सोलंकी का कहना है कि नेकां के साथ कांग्रेस का गठबंधन अपनी जगह है और पार्टी की विचारधारा और सिद्धांत अपनी जगह। चुनाव बाद ही मुख्यमंत्री का चेहरा तय किया जाएगा। जम्मू कश्मीर के लोगों की भलाई के लिए नेकां के साथ गठबंधन किया गया है। कांग्रेस ने कभी भी सत्ता के लिए गठबंधन नहीं किया है।

उनहोंने कहा कि जम्मू कश्मीर के लोगों की समस्याओं का समाधान स्टेट हुड से ही हो सकता है। भाजपा ने जम्मू कश्मीर का शोषण करने के लिए इसे यूटी बनाया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जब बार-बार कह रहे हैं कि मैंने संसद में स्टेट हुड का वादा किया है तो उन्हें इसे देने में किसने रोका है। चुनाव से पहले स्टेट हुड क्यों नहीं दिया गया। भाजपा कहती कुछ और है और करती कुछ और है। उलटा शाह जनता को स्टेट हुड पर गुमराह कर रहे हैं। हम 370 पर पहले ही लोकसभा में सब कुछ स्पष्ट कर चुके हैं। कांग्रेस ने देश को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई। लंबे अरसे तक देश में सरकार चलाई और देश को एकजुट रखा। महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसी शख्सियतों ने बलिदान दिया। आज जितना भी अच्छा कर लो लोगों की अपेक्षाएं बढ़ जाती हैं।

कांग्रेस के अपने दर्शन और विचारधारा वाला घोषणा पत्र

नेकां का अपने दर्शन और विचारधारा वाला घोषणा पत्र है और कांग्रेस के अपने दर्शन और विचारधारा वाला घोषणा पत्र होगा। कांग्रेस ने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया है और आगे भी अपने सिद्धांतों पर कायम रहेगी। हम नेकां के साथ भले ही गठबंधन में है, लेकिन हमारी अपनी विचारधारा और सिद्धांत हैं।

पेरिस में समर्थन मिलने के बजाय मेरे साथ राजनीति हुई : विनेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। भारतीय पहलवान विनेश फोगट ने दावा किया है कि 50 किलोग्राम भार वर्ग में 100 ग्राम वजन के कारण स्वर्ण पदक मैच में अयोग्य ठहराए जाने के बाद उन्हें पेरिस में कोई समर्थन नहीं मिला। वजन घटाने से पहले समय रहते अपना वजन कम करने के लिए किए गए कठोर प्रयास व्यर्थ गए, बल्कि इससे उन्हें निर्जलीकरण हो गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती भी होना पड़ा।

भारतीय ओलंपिक संघ की प्रमुख पीटी उषा ने एकजुटता दिखाने के लिए अस्पताल में विनेश से मुलाकात की और उनके साथ एक तस्वीर भी खिंचवाई। लेकिन अब विनेश ने दावा किया है कि पेरिस में उन्हें कोई समर्थन नहीं मिला और पीटी उषा द्वारा उनके साथ तस्वीर खिंचवाना और सोशल मीडिया पर पोस्ट करना राजनीति का हिस्सा था। उन्होंने कहा- मुझे नहीं पता कि मुझे वहां क्या समर्थन मिला। पीटी उषा मैडम ने अस्पताल में मुझसे मुलाकात की। एक तस्वीर क्लिक की गई... जैसा कि आपने कहा, राजनीति में बंद दरवाजों के पीछे बहुत कुछ होता है। इसी तरह, वहां (पेरिस में) भी राजनीति हुई। उन्होंने कहा कि इसलिए मेरा दिल टूट गया। अन्यथा, बहुत से लोग कह रहे हैं कि कुश्ती मत छोड़े। मुझे किस लिए जारी रखना चाहिए? हर जगह राजनीति है, उन्होंने कहा। इसके अलावा, विनेश फोगट ने यह भी दावा किया कि उन्हें नहीं पता था कि उनकी तस्वीर पीटी उषा के साथ क्लिक की गई थी और यह सब सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित करने के लिए एक दिखावा था।

किसको किसको अपना पुल चाहिए....

नेकां और पीडीपी की राह नहीं आसान!

फारूक, महबूबा और उमर ने कसी कमर

- जम्मू-कश्मीर में चुनावी प्रचार तेज
- भाजपा को चारों खाने चित करने की तैयारी
- शियाओं के गढ़ को भेदना उमर के लिए चुनौती, पीडीपी प्रत्याशी शिया, बडगाम में 33 फीसदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के अलावा वहां कि पुरानी दोनों पार्टियों नेशनल कांफ्रेंस व पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने सियासी मैदान को साधना शुरू कर दिया। धारा 370 हटने के बाद हो रहे इस चुनाव ने सभी राजनीतिक दलों की धड़कनें बढ़ाई हुई है। सबकी नजर मुस्लिम वोटरों के रूख पर है कि वह पुरानी पार्टियों पर ही विश्वास रखते हैं या नये लोगों को मौका देते हैं। कांग्रेस से अलग होकर नई पार्टी बनाने वाले मुफ्ती मोहम्मद सईद की पीडीपी भी इस बार पूरे जोश में है हालांकि उनकी मौत के बाद उनकी बेटी महबूबा उसकी कर्ता धर्ता हैं वह राज्य में फिर से सीएम बनने का ख्वाब देख रही हैं। वह तो सक्रिय हैं ही अब अपनी पुत्री को भी राजनीति में आगे कर रही हैं।

आने वाला चुनाव परिणाम उनकी दशा दिशा तय करेंगे। वहीं कश्मीर करीब 10 साल बाद जम्हूरियत का जश्न मनाने के लिए तैयार है। 90 सीटों वाली विधानसभा के लिए तीन चरण में मतदान कराए जाएंगे। यहां फिलहाल चुनावी प्रक्रिया चल रही है। चुनाव से पहले तमाम बड़े दलों ने सियासी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। इस चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की जम्मू कश्मीर पीपल्स डेमक्रटिक पार्टी भी उतरी है। जहां कांग्रेस ने फारुख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन किया है वहीं पीडीपी अकेले ही चुनाव लड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव के बाद पीडीपी ने तीन साल तक भाजपा के साथ गठबंधन की सरकार चलाई थी। आइये जानते हैं पीडीपी की पूरी कहानी..

कश्मीर घाटी में मुस्लिमों के दो वर्ग हैं। इनमें सुन्नी और शिया शामिल हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में शिया आबादी 20-25 प्रतिशत है। कश्मीर घाटी के सभी जिलों में शिया समुदाय की मौजूदगी देखने को मिलती है। घाटी के मध्य कश्मीर के बडगाम और श्रीनगर समेत उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में शिया समुदाय की आबादी ज्यादा है। शिया समुदाय की कुल आबादी मुस्लिम आबादी की 20 से 25 फीसदी है। लगभग 13 से 15 लाख लोग शिया समुदाय के हैं। मध्य कश्मीर के बडगाम की बात करें तो 30 से 33 हजार वोटर शिया हैं। यह जिले की आबादी का लगभग 35 प्रतिशत है। जानकारों का कहना है कि शिया समुदाय बड़ी संख्या में वोट देने निकलता है जबकि सुन्नी समुदाय कम वोटिंग करता है। कश्मीर में शिया समुदाय के दो बड़े वर्ग हैं। ये मुस्तफाई और मोहम्मदी के तौर पर जाने जाते हैं। दोनों वर्ग सैयद सिलसिले से हैं। अन्य दो वर्ग मौलवी साहबी और अब्बासी हैं। मुस्तफाई वर्ग में आगा सैयद मुस्तफा जबकि मोहम्मदी वर्ग में आगा सैयद यूसुफ इस सिलसिले के प्रमुख हैं। आगा सैयद मुस्तफा के चार बेटे आगा सैयद मेहदी, जोकि तत्काल सांसद आगा रुहुल्लाह के पिता थे, कांग्रेस के साथ जुड़े रहे। बम धमाके में उनकी मौत हो गई जिसके बाद उनके बेटे को तत्कालीन मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल कर लिया। आगा सैयद मुस्तफा के दूसरे बेटे आगा सैयद हसन हैं जोकि काफी समय तक अलगाववादी नेता की हैसियत से न सिर्फ बडगाम बल्कि कश्मीर में जाने जाते हैं और अभी उनका बेटा सैयद मुंताजिर मेहदी मुख्यधारा में आकर पीडीपी की टिकट पर बडगाम से प्रत्याशी है। आगा सैयद मुस्तफा के तीसरे बेटे आगा सैयद मोहसिन एक धार्मिक नेता हैं और राजनीति से दूर हैं।

मौलवी साहबी वर्ग से कोई भी राजनीति में सक्रिय नहीं

शिया समुदाय के तीसरे वर्ग मौलवी साहबी में पूर्व पीडीपी नेता इफ्तिखार अंसारी प्रमुख रहे हैं। इनके बेटे इमरान अंसारी और इरफान अंसारी अभी राजनीति में सक्रिय नहीं हैं। हालांकि इरफान अंसारी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में श्रीनगर सीट से चुनाव लड़ा था। वह सबसे अमीर प्रत्याशी थे। उनको हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वह राजनीति से किनारा कर गए। अंसारियों के बडगाम में सात हजार जबकि बारामूला जिले में 50 हजार वोटर्स हैं। कश्मीर में शिया समुदाय का चौथा वर्ग अब्बासी है। इनका प्रमुख चेहरा अलगाववादी नेता अब्बास अंसारी रहे हैं। आज तक इन्होंने राजनीति में हिस्सा नहीं लिया। उनके बेटे मसरूर अब्बास अंसारी हाल ही में बनी मजलिस ए मुताहिदा उलेमा काउंसिल के सदस्य हैं।

पहले ही चुनाव में पीडीपी को मिली थी सत्ता

2002 में जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए और यह पीडीपी के लिए पहला विधानसभा चुनाव था। पहले चुनाव में पीडीपी ने 9.28 प्रतिशत मत प्रतिशत के साथ 16 सीटें जीतीं। अन्य दलों के प्रदर्शन की बात करें तो नेशनल कॉन्फ्रेंस सबसे बड़ी पार्टी बनी लेकिन बहुमत नहीं पा सकी। नतीजों के बाद पीडीपी ने कांग्रेस के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बनाई जिसने 20 सीटें जीती थीं। इस गठबंधन सरकार में पीडीपी के मुफ्ती मोहम्मद सईद पहले तीन साल मुख्यमंत्री रहे। सईद ने अक्टूबर 2002 से नवंबर 2005 के बीच पीडीपी-कांग्रेस गठबंधन सरकार का नेतृत्व किया था। हालांकि, अगले तीन साल कांग्रेस के गुलाम नबी आजाद मुख्यमंत्री रहे जो अब अपनी नई पार्टी बना चुके हैं। बता दें कि धारा 370 हटने से पहले जम्मू कश्मीर की विधानसभा का कार्यकाल छह साल का होता था। 2002 के बाद 2008 में जम्मू कश्मीर में विधानसभा के लिए चुनाव होने थे। हालांकि, अमरनाथ भूमि हस्तांतरण के फैसले के विरोध में पीडीपी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। 2008 में जब विधानसभा के चुनाव हुए तो एक बार फिर नेशनल कॉन्फ्रेंस राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनी। पीडीपी की बात करें तो इसने 16 सीटों के अपने पिछले प्रदर्शन को बेहतर करते हुए 21 सीटें जीतीं। इसके साथ ही पार्टी को 15.39प्रतिशत वोट हासिल हुए। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) एक बार फिर राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनी और इसने कांग्रेस के साथ गठबंधन सरकार बनाई। नेकां नेता उमर अब्दुल्ला राज्य के मुख्यमंत्री बने।

कांग्रेस से अलग हो मुफ्ती मोहम्मद सईद ने बनाई पीडीपी

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी जम्मू कश्मीर में एक क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी है। इसकी स्थापना जुलाई 1999 में पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद ने की थी। 1998 के लोकसभा चुनाव में सईद ने अनंतनाग लोकसभा सीट जीती, लेकिन जल्द ही उन्होंने अपने पद और कांग्रेस से इस्तीफा देकर राज्य में एक क्षेत्रीय दल पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की शुरुआत की। मुफ्ती मोहम्मद सईद पार्टी के पहले अध्यक्ष चुने गए। मुफ्ती मोहम्मद सईद पहले कांग्रेस पार्टी के सदस्य रह चुके हैं। 1986 में प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने उन्हें केंद्रीय पर्यटन मंत्री नियुक्त किया था। 1987 में मेरठ दंगों के बाद कांग्रेस के रुख के विरोध में उन्होंने केंद्रीय मंत्री और बाद में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने वीपी सिंह के साथ मिलकर जन मोर्चा की स्थापना की, जो बाद में जनता दल बन गया। 1989 में जनता दल के नेतृत्व वाली पार्टियों का गठबंधन नेशनल फ्रंट सत्ता में आया। 2 दिसंबर 1989 को वीपी सिंह ने देश के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली। मुफ्ती मोहम्मद सईद को वीपी सिंह की कैबिनेट में जगह मिली। सईद देश के पहले मुस्लिम गृह मंत्री बने। नई सरकार के गठन को एक हफ्ता भी नहीं बीता था कि सईद के सामने एक बहुत बड़ा संकट खड़ा हो गया। यह संकट देश से भी जुड़ा था और खुद उनके परिवार से भी जुड़ा था। दरअसल, 8 दिसंबर 1989 को देश के गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद (महबूबा मुफ्ती की बहन) का जेकेएलएफ के आतंकवादियों ने अपहरण कर लिया। रुबैया को पांच दिन बाद रिहा किया गया, जब केंद्र सरकार ने बदले में पांच आतंकवादियों को रिहा कर दिया। जुलाई 2022 में रुबैया ने जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक और तीन अन्य को अपने अपहरणकर्ता के रूप में पहचाना था।

इल्तिजा मुफ्ती तीसरी पीढ़ी का कर रही नेतृत्व

इल्तिजा पीडीपी की मुख्य मीडिया सलाहकार के रूप में पार्टी का चेहरा बनकर उभरी हैं। इस बीच पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के बाद सरकार का गठन उनकी पार्टी को शामिल किए बिना संभव नहीं होगा। अब 8 अक्तूबर को हरियाणा विधानसभा के साथ नतीजे घोषित किए जाएंगे जिसमें पता चलेगा कि जम्मू कश्मीर में इस बार किसके सिक्का चलेगा और कौन राज्य की सत्ता संभालेगा। जून 2018 में भाजपा ने महबूबा सरकार से समर्थन वापस ले लिया। इसके साथ ही महबूबा मुफ्ती की सरकार गिर गई। 5 अगस्त, 2019 को राज्य का विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर इसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। धारा 370 हटने के बाद अब पहली बार राज्य में विधानसभा चुनाव हैं। इस चुनाव में महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी भी चुनाव मैदान में उतरी है। पार्टी ने अब तक 40 उम्मीदवार भी घोषित कर दिए हैं। पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती चुनाव नहीं लड़ रही हैं बल्कि उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती अपनी चुनावी राजनीति की शुरुआत कर रही हैं। 37 वर्षीय इल्तिजा बिजबेहरा से चुनाव लड़ेंगी, यह सीट कभी मुफ्ती परिवार का गढ़ कही जाती रही है। महबूबा मुफ्ती ने भी 1996 में इसी सीट से चुनावी शुरुआत की थी।

आगा परिवार के लोग नहीं जाते थे अदालत कोर्ट उनके घर आता था

कश्मीर के शियाओं में अमूमन कानूनी विवादों के लिए सरकारी अदालतों के बजाय अपने धार्मिक प्रमुख के पास जाने की प्रथा है। ऐसी शरई (शरीयत) अदालतें (धार्मिक अदालतें) इस्लामी सिद्धांत के अनुसार न्याय का निर्धारण करती हैं। आगा यूसुफ के काल में शरई अदालतें बहुत लोकप्रिय हुईं। कई मौकों पर जिला अदालत ने मामलों को यूसुफ की अदालत में भेजा। महाराजा गुलाब सिंह, प्रताप सिंह और हरि सिंह के शासनकाल के दौरान कश्मीर के संविधान में एक अनुच्छेद शामिल किया गया, जिसने आगा परिवार को अद्वितीय सम्मान प्रदान किया। अगर आगा परिवार से किसी को गवाही देनी होती थी, तो वे कोर्ट नहीं जाते थे, बल्कि कोर्ट उनके घर आकर गवाही दर्ज करता था। आगा परिवार के किसी भी व्यक्ति को अदालत में नहीं बुलाया जाता था। यह कानून 1982 तक आगा सैयद यूसुफ के काल तक अस्तित्व में रहा।

आगा सैयद अहमद थाम चुके हैं अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस

आगा सैयद मुस्तफा के एक अन्य बेटे आगा सैयद अहमद मुस्तफा ने हाल ही में अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस में शमूलियत की घोषणा की है। दूसरे वर्ग जिसको मोहम्मदी कहा जाता है, में आगा सैयद यूसुफ प्रमुख माने जाते हैं। इनके बेटे आगा महमूद पहले राजनीति से जुड़े थे। 2002 में वह चुनाव रण में भी रहे। नेशनल कॉन्फ्रेंस के आगा महमूद को टिकट देने की चर्चा थी लेकिन पार्टी ने पहले से इस सीट पर शिया समुदाय के उम्मीदवारों के मैदान में होने के चलते उमर अब्दुल्ला को बडगाम सीट से उतार दिया। यहां से पीडीपी ने सांसद आगा रुहुल्लाह के चचेरे भाई आगा मुंतजिर मेहदी को टिकट देकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए चिंता बढ़ा दी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पर्यावरण को साफ रखने की जिम्मेदारी सबकी है!

जाड़ा आने वाला है। इसी के साथ वायु में भी उसकी वजह से दूषित होने की संभावना बढ़ जाती है। खासतौर से देश की राजधानी दिल्ली उसकी चपेट में सबसे ज्यादा आती है। चूकि ऐसा माना जाता है दिल्ली के बार्डर से जुड़े, यूपी, हरियाणा व पंजाब के किसान बरसात के बाद फसल कटाई करते है तो उसमें पेड़ों की बचीं हुई ठूठे जिसे पराली कहते उन्हें जला देते है चूकि मौसम ठंडा होने लगता तो धुआं ऊपर नहीं जा पाता है वी कुहांसे के रूप में दिल्ली के आसमान को घेर लेता है जिससे मानव के साथ-साथ पेड़- पौधों व जानवरों को भी प्रदूषण की मार झेलनी पड़ती है। हालांकि दिल्ली सरकार ने अभी इससे बचने की तैयारी शुरू कर दी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इसबार प्रदूषण का कहर दिल्ली वालों पर कम पड़ेगा। और वहां पर्यावरण स्वच्छ रहेगा। गौरतलब हो कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सन् 2016 में सख्त लहजे में कहा था कि पेड़ों से गिरने वाली पत्तियों को जलाना दंडनीय अपराध है व प्रशासनिक अमला यह सुनिश्चित करे कि आगे से ऐसा न हो। इस बारे में समय-समय पर कई अदालतें व महकमें आदेश देते रहे हैं, लेकिन कानून के पालन को सुनिश्चित करने वाली संस्थाओं के पास इतने लोग व संसाधन नहीं हैं कि हरित न्यायाधिकरण के निर्देश का शत-प्रतिशत पालन करवा सके।

कुछ साल पहले दिल्ली में एक सांसद की सरकारी कोठी में पत्तियां जलाने पर मुकदमा दायर हुआ था, उसके बाद दिल्ली में तो इस विषय में जागरूकता और सतर्कता है। लेकिन कई जगह तो नगर को साफ रखने का जिम्मा निभाने वाले स्थानीय निकाय खुद ही कूड़े के रूप में पेड़ से गिरी पत्तियों को जला देते हैं। असल में पत्तियों को जलाने से उत्पन्न प्रदूषण तो खतरनाक है ही, सूखी पत्तियां कई मायनों में बेशकीमती भी हैं। प्रकृति के विभिन्न तत्वों का संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सूखी पत्तियां जलाने से इंसान कई बीमारियों को न्योता देता है। गिरी हुई पत्तियों को जलाने के दौरान अल्पकालिक और दीर्घकालिक संपर्क से अस्थमा के दौरे, दिल के दौरे और कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता का खतरा भी बढ़ सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट दिसंबर, 1997 में ही आदेश पारित कर चुका था कि पत्तियों को जलाने से गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा हो रहा है, इसलिए इस पर पूरी तरह पाबंदी लगाई जाये। सन् 2012 में दिल्ली सरकार ने पत्ते जलाने पर एक लाख रुपये जुर्माने व पांच साल तक की कैद का प्रावधान किया था। लेकिन एक तो ऐसे मामलों की कोई शिकायत नहीं करता, दूसरे पुलिस भी ऐसे पचड़ों में फंसती नहीं। स्थानीय निकाय के लोग खुद ऐसी हरकतें करते हैं। ऐसे में जाने-अनजाने पूरा समाज वातावरण में जहर घोलने के कार्य में शामिल है। दिल्ली एनसीआर की आबोहवा इतनी दूषित हो चुकी है कि पांच साल के बच्चे तो इसमें स्वस्थ जी नहीं सकते हैं। पर्यावरण को साफ रखने की जिम्मेदारी सरकारों की तो है ही जनमानस को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

उम्मीद की जानी चाहिए कि इसबार प्रदूषण का कहर दिल्ली वालों पर कम पड़ेगा। और वहां पर्यावरण स्वच्छ रहेगा। गौरतलब हो कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सन् 2016 में सख्त लहजे में कहा था कि पेड़ों से गिरने वाली पत्तियों को जलाना दंडनीय अपराध है व प्रशासनिक अमला यह सुनिश्चित करे कि आगे से ऐसा न हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अविरल धारा ही बनाएगी यमुना को जीवंत

पंकज चतुर्वेदी

सावन बीत गया, भादों भी आधा निकल गया, दिल्ली और उसके आसपास यमुना नदी के जल-ग्रहण क्षेत्र में पर्याप्त पानी बरसा, लेकिन न नदी में पानी आया और न ही पानी से जहर की मुक्ति। जब नदी में पानी लबालब होना चाहिए था, तब कम से कम दो बार इसमें अमोनिया की मात्रा अधिक हो गई। हजारों करोड़ के खर्च, ढेर सारे वादों और योजनाओं के बावजूद ऐसा लगता नहीं कि दिल्ली में यमुना को 2026 तक निर्मल बनाने का लक्ष्य पूरा होगा। समझना होगा कि यमुना पर लाख एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) लगाकर नालों के पानी को शुद्ध कर लें, लेकिन जब तक यमुना में नदी का पानी अविरल नहीं आएगा, तब तक इसके हालात सुधरने से रहे। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में यमुना में ऑक्सीजन की मात्रा शून्य पाई गई है, जो पहले कभी नहीं हुआ। यमुना की सफाई के लिए केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को 8500 करोड़ रुपये दिए, लेकिन परिणाम शून्य ही है। दरअसल, दिल्ली में यमुना, गंगा और भूजल से प्रतिदिन 1900 क्यूसेक पानी का उपयोग किया जाता है, जिसमें से 60 प्रतिशत यानी करीब 1100 क्यूसेक सीवेज का पानी एकत्र होता है।

यदि इस पानी को शोधित करके यमुना में डाला जाए, तो यमुना निर्मल रहेगी और दिल्ली में पेयजल की किल्लत भी दूर हो जाएगी। लेकिन हमेशा यह नजरअंदाज किया जाता है कि नदी में बाकी जल कहां से आएगा। ईमानदारी की बात तो यह है कि यमुनोत्री से निकलने वाली जलधारा, मैदान में आकर गंगा की सबसे बड़ी सखी-सहेली कहलाती है। दिल्ली तक जो भी जल आता है, वह अधिकांशत: हरियाणा की छोटी नदियों और कारखानों के गंदे उत्सर्जन का हिस्सा होता है। बरसात के मौसम के पचहत्तर प्रतिशत दिन बीत जाने के बाद भी दिल्ली में एक भी बार बाढ़ नहीं आई। बाढ़ से नदी किनारे अवैध निर्माणों को त्रासदी हो सकती है, लेकिन महानगर में नदी की गुणवत्ता सुधारने का प्राकृतिक तरीका यही होगा। बाढ़ नदी में जीवन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

पहाड़ों से बहकर आया पानी उपयोगी लवण लेकर आता है। इसके अलावा, जलमार्ग में कूड़े और मलबे के कारण यदि धारा अवरुद्ध होती है, तो बाढ़ उसे स्वचालित रूप से साफ कर देती है। इस प्रकार, नदी में ऑक्सीजन

की मात्रा बढ़ती है, जो मछलियों और अन्य जीवों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करती है। इसलिए, दिल्ली में यमुना की शुद्धि के लिए मशीनी उपायों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि यहां प्राकृतिक रूप से बाढ़ आए। आखिर में, दिल्ली में बाढ़ क्यों नहीं आई? यदि इस कारण को खोजा जाए, तो समझ में आएगा कि मल-जल को साफ करने के उपाय क्यों असफल रहते हैं। यमुना की आत्मा सभी नदियों की तरह उसके फ्लड प्लेन या कछार में है। जब नदी अपने यौवन पर होती है, तो जमीन पर जहां तक उसका विस्तार होता है, वही उसका कछार या फ्लड प्लेन होता है। अब दिल्ली में नदी को फैलने की जगह ही नहीं दी गई है। हजारों निजी और सरकारी निर्माण, नदी के बीचों-बीच सुखा कर खड़े किए गए खंभे, और अन्य अवरोध यमुना को दिल्ली से बहने ही नहीं देते। जिन लोगों ने नदी के कछार पर कब्जा कर लिया है या करना चाहते हैं, वे कभी नहीं चाहते कि दिल्ली में यमुना का जल स्तर बढ़े। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि नदी के फ्लड प्लेन को पूरी तरह से खाली रखा जाए। बाढ़ से नदी का जलीय जीवन भी बेहतर होता है। दिल्ली तक यमुना के अवरोधक केवल दिल्ली में ही नहीं हैं, बल्कि हरियाणा और उसके ऊपर पहाड़ों तक भी हैं। अवैध बालू खनन के लिए कई स्थानों पर नदी के रास्ते रोके गए हैं या आपराधिक तरीके से मार्ग बदल दिए गए हैं। ऐसे लोगों की मंशा की पूर्ति के लिए पहाड़ पर नदी को बांधने के सरकारी प्रयास भी सफल नहीं हो रहे हैं। देहरादून के कालसी विकासखंड में यमुना नदी पर 204 मीटर ऊंची लखवार व्यासी बांध परियोजना 1972 में शुरू हुई थी, लेकिन इसके बाद काम बंद हो गया। वर्ष 2013 में यहां काम फिर शुरू हुआ और अब यमुना पहाड़ से नीचे उतरने से पहले घेर ली जाती है। जब पहाड़ से ही यमुना का प्रवाह नहीं है, तो हथिनी कुंड से वजीराबाद तक यह एक बरसाती नदी ही रह जाती है।

लगभग 52 साल पहले तैयार की गई परियोजना की कल्पना आज हिमालय के भारी पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन के दौर में कितनी प्रासंगिक है। पहाड़ों पर बन रहे बड़े बांध और कई सुरंगों के माध्यम से पानी के मार्ग को बदलने से जल-प्रवाह प्रभावित हो रहा है, और निर्माण का मलबा बहकर नीचे आ रहा है, जो नदी को उथला बना रहा है। दिसंबर, 2021 के आखिरी हफ्ते में, जब व्यासी जलविद्युत परियोजना की एक टर्बाइन को प्रयोग के तौर पर खोला गया, तो यमुना नदी की धारा सिकुड़ गई थी।

स्वदेशी एआई बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाएं

मुकुल व्यास

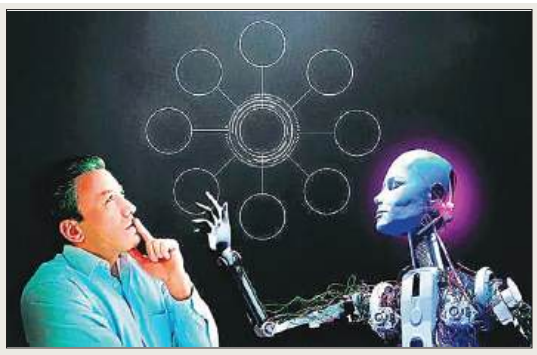

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंसानी बुद्धिमत्ता का पूरक बन कर लोगों के जीने और काम करने के तरीकों को बेहतर बनाने के अवसर प्रदान करती है। अपने व्यापक अनुप्रयोगों के साथ, एआई और मशीन लर्निंग हमारे जीवन के लगभग सभी तकनीकी पहलुओं में मौजूद हैं। वृहद स्तर पर देखें तो एआई और मशीन लर्निंग ने कृषि, खुदरा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों पर व्यापक प्रभाव डाला है। आज पूरी दुनिया में एआई हावी है। इस क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास को देखते हुए भविष्य भी एआई का ही होगा। भारत को इस क्षेत्र की अपार क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने के लिए अभी बहुत कुछ करना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की असीम संभावनाओं, हजारों एआई स्टार्टअप्स और देश में प्रौद्योगिकी प्रतिभाओं के विशाल भंडार को लेकर तमाम उत्साह के बावजूद,भारत एआई अनुसंधान में अमेरिका और चीन से बहुत पीछे है।

अग्रणी शिक्षाविद इसके लिए फंडिंग की कमी और शोध के लिए बुनियादी ढांचे को जिम्मेदार ठहराते हैं। एआई एक्सेलेरेटर और इकोसिस्टम बिल्डर चेंज इंजन द्वारा किए एक अध्ययन के अनुसार दुनिया के शीर्ष 10 एआई सम्मेलनों में पेपर योगदान के मामले में देश एआई अनुसंधान में 14वें स्थान पर है, जिसकी वैश्विक हिस्सेदारी सिर्फ 1.4 प्रतिशत है। अध्ययन के अनुसार, अमेरिका और चीन क्रमश: 30.4 प्रतिशत और 22.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एआई अनुसंधान पर हावी हैं। अध्ययन में यह भी कहा गया है कि भारत को पांच साल में 5 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी पाने और विश्व स्तरीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए एआई अनुसंधान को कम से कम 40 प्रतिशत प्रति वर्ष बढ़ाने की आवश्यकता है। अध्ययन में यह भी पता चला है कि भारत की एआई वृद्धि दर 15.5 प्रतिशत है, जो एशियाई टाइगर इकॉनमी वाले देशों में देखी गई 20 प्रतिशत प्लस वृद्धि दर से काफी कम है। संयुक्त राज्य अमेरिका की वृद्धि दर अग्रणी देशों में सबसे कम है, जिसका मुख्य कारण इसका पहले से ही पर्याप्त योगदान आकार है। चीन 29.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का दावा करता है, हांगकांग 23.6 प्रतिशत हासिल करता है जबकि दक्षिण कोरिया 29.3 प्रतिशत का प्रभावशाली प्रदर्शन करता है।

दरअसल, अध्ययन से एआई सम्मेलनों में भारत के विभिन्न संस्थानों द्वारा किए गए योगदान का भी पता चलता है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी), बेंगलुरू और आईआईटी मुंबई कुल भारतीय योगदान का क्रमश: 15.6 प्रतिशत और 10.3 प्रतिशत योगदान देकर सबसे आगे हैं। 2018 से 2023 तक इन सम्मेलनों में भारत के एआई योगदान के 70 प्रतिशत के लिए आठ संस्थान जिम्मेदार हैं। इनमें आईआईएससी के अलावा सात आईआईटी शामिल हैं। रिपोर्ट में इन संसाधनों को एआई लीडर्स बताया गया है। इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में 'एआई राइजिंग स्टार्स' के एक समूह की पहचान की गई है, जिनकी वृद्धि दर पिछले दशक में 15 प्रतिशत से अधिक हो गई है और अगले पांच वर्षों में उनके द्वारा उल्लेखनीय रूप से योगदान दिए जाने की उम्मीद है। ये उभरते संस्थान हैं आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी जोधपुर, डीटीयू, आईएसआई कोलकाता, आईआईटी रुड़की और आईआईटी पटना।

अध्ययन में एआई के क्षेत्र में ज्ञान साझा करने के लिए शीर्ष 20 भारतीय संस्थानों और अमेरिका, यूरोप और दक्षिण पूर्व एशिया के विश्वविद्यालयों के बीच संयुक्त पीएचडी कार्यक्रमों के निर्माण की वकालत की गई है। आईआईटी कानपुर के न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के साथ मौजूदा सफल कार्यक्रम को ऐसी पहलों के लिए एक मॉडल के रूप में उजागर किया गया है। बिट्स पिलानी के कुलपति वी रामगोपाल राव का कहना है कि अमेरिका और चीन जैसे देशों ने उच्च शिक्षा और बड़े संस्थानों में भारी निवेश किया है। बिट्स पिलानी, एआई शोध में देश के शीर्ष 20 स्कूलों में एकमात्र निजी संस्थान है। चीन अकेले पेकिंग और सिंघुआ विश्वविद्यालयों पर जो खर्च करता है, वह भारतीय शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा बजट के बराबर है। इसलिए कुछ विश्वविद्यालय होने चाहिए जिन्हें प्राथमिकता दी जाए और फिर आप वहां क्षमता का निर्माण करें। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा चीन ने किया। उच्च शिक्षा पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत में प्रति दस लाख लोगों पर 255 शोधकर्ता हैं, जबकि अमेरिका जैसे देशों में 4,245 है। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, भारत में उच्च शिक्षा में निवेश कम हो रहा है।

चेंज इंजिन के वरुण अग्रवाल ने कहा कि बुनियादी एआई शोध में क्षमता एआई अनुप्रयोगों और प्रसार के अलावा भारत के दीर्घकालिक नेतृत्व के लिए महत्वपूर्ण है। हमें अगले 5 वर्षों में 5 प्रतिशत वैश्विक हिस्सेदारी प्राप्त करने के लिए कम से कम 4 प्रतिशत की वृद्धि दर की आवश्यकता है। इसका भारतीय नवाचार पर उत्प्रेरक प्रभाव पड़ेगा। एक अच्छी बात यह है कि भारत सरकार ने आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस मिशन के लिए 10372 करोड़ मंजूर किए हैं। यह धनराशि अगले पांच वर्षों के दौरान खर्च की जाएगी। सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय को उच्च प्रदर्शन वाले ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) की खरीद सहित एआई के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए केंद्रीय बजट 2024-25 में 551.75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि मिशन के लिए आवंटित राशि का सदुपयोग भारत में एक मजबूत एआई कम्प्यूटिंग बुनियादी ढांचा निर्मित करने के लिए किया जाएगा।

काजू का सुबह खाली पेट करें सेवन

बात अगर ड्राई फ्रूट्स की करें, तो इसमें ज्यादातर लोगों को काजू सबसे ज्यादा पसंद आता है। जहां एक तरफ लोग काजू का सेवन ऐसे ही करते हैं तो वहीं दूसरी तरफ लोग इसे खीर, हलवे जैसी चीजों में डालकर भी खाते हैं। काजू में मिनरल्स और विटामिन्स की भरपूर मात्रा होने के कारण ये हमारे शरीर को काफी फायदा पहुंचाने का काम करते हैं, लेकिन शायद आप ये नहीं जानते होंगे कि अगर काजू को सुबह खाली पेट खाया जाए तो इससे आपके शरीर को ढेरों फायदे मिल सकते हैं। काजू की तासीर गरम होती है इसीलिए इसे अधिक मात्रा में नहीं खाना चाहिए। इसलिए इसके सेवन का सही तरीका है कि आप इसे रात भर पानी में भिगो दें। और सुबह खाली पेट इसका सेवन करें। भिगोकर रखने से पानी इसकी गरम तासीर खींच लेगा। खाली पेट काजू खाने से फायबर की भरपूर मात्रा मिलती है। जिससे कब्ज की समस्या को ठीक किया ज सकता है। साथ ही इससे पेट संबंधी समस्या में भी सहायता होती है। नियमित 3-4 काजू के सेवन में करीब 163 कैलोरी और 13.1 फैट होता है। जिससे आपका वजन भी बढ़ सकता है।

शरीर को मिलेंगे ढेरों फायदे

कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण करता है

काजू का कम मात्रा में नियमित सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में कुछ हद तक मदद मिल सकती है। इसमें प्रोटीन की मात्रा अधिक होने के कारण ये जल्दी पच जाता है। काजू में आयरन की भी अच्छी मात्रा पाई जाती है जिससे शरीर में खून की कमी को दूर किया जा सकता है। काजू में अधिकांश वसा स्टीयरिक एसिड से आता है, जो ब्लड कोलेस्ट्रॉल पर न्यूट्रल इंपेक्ट पड़ता है। हर दिन काजू का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल की समस्या से राहत मिल सकती है। हालांकि काजू में कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है और इसका सेवन कम मात्रा में करना चाहिए। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने के अलावा काजू हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करता है। काजू में उच्च मैग्नीशियम कंटेंट होता है, जिसके कारण यह हार्ट डिजीज को रोकने में मदद कर सकता है। उचित मैग्नीशियम का सेवन इस्केमिक हार्ट डिजीज के जोखिम को कम कर सकता है, जो अक्सर तब होता है जब हार्ट को पर्याप्त खून नहीं मिल पाता है।

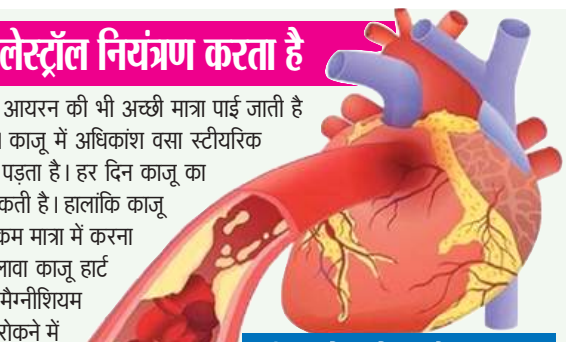

हड्डियों को करे मजबूत

अगर आप अपनी हड्डियों को मजबूत करना चाहते हैं तो आप काजू का सेवन कर सकते हैं। इसमें प्रोटीन की मात्रा अधिक होने के कारण ये हड्डियों को मजबूत करने का काम करता है। दरअसल, काजू में पाया जाने वाला विटामिन डी और मैग्नीशियम हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है. इसके लिए आपको एक कप पानी में 6-7 काजू भिगोकर रात में रख देना है। इसके बाद अगली सुबह खाली पेट इन्हें खाना है। दरअसल, काजू को भिगोकर खाने से, शरीर इसके पोषक तत्वों को आसानी से अवशोषित कर लेता है। हड्डियों की कमजोरी दूर करने के लिए दूध में भीगे काजू का सेवन अधिक फायदेमंद माने जाते हैं। दरअसर, दूध को कैल्शियम का अच्छा सोर्स माना जाता है, जो हड्डियों के लिए बेहद जरूरी है। वहीं, काजू में मौजूद विटामिन के, बी6 हड्डियों और जोड़ों के दर्द में भी राहत पहुंचा सकते हैं।

स्मरण शक्ति बढ़ाता है

काजू का सेवन करने से आपकी स्मरण शक्ति बढ़ सकती है। दरअसल, काजू में विटामिन-बी की अच्छी मात्रा पाई जाती है जिससे ये फायदा मिलता है। इसलिए आप काजू के कुछ दाने सुबह खाली पेट खा सकते हैं। डिप्रेशन से उबरने में काजू का सेवन आपकी काफी मदद कर सकता है। काजू का सेवन करने से प्राकृतिक रूप से अवसाद का उपचार होता है। काजू में पाया जाने वाला मैग्नीशियम शरीर में सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है।

त्वचा और बालों को निखारता है

अगर आप काजू का सेवन करते हैं तो इससे आपकी त्वचा और बाल दोनों ही सुंदर हो सकते हैं। काजू खाने से त्वचा में रंगत आती है। काजू में पाए जाने वाला प्रोटीन इसमें मदद करता है। स्किन पर झुर्रियां बहुत ही कम होती है। दरअसल काजू में विटामिन ई और एंटी-ऑक्सीडेंट के गुण पाए जाते हैं जो त्वचा को कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में मदद करते हैं। काजू में मैग्नीशियम, जिंक, आयरन और फॉस्फोरस जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो बालों को हेल्दी बनाते हैं। साथ ही ये बालों के टूटने की समस्या को कम कर उन्हें सॉफ्ट और शाइनी भी बनाते हैं।

हंसना मना है

एक नेता जी नाव से कहीं जा रहे थे कि अचानक जोरदार तूफान आया और उनकी नाव पलट गई। नेता जी को तैरना नहीं आता था। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की, ईश्वर अगर मुझे बचा लेंगे, तो मैं गरीबों में 21 किलो लड्डू बाटूंगा। फिर जोर से हवा चली और एक बड़ी लहर के साथ एक पेड़ बहता हुआ आ गया। नेता जी ने उसका सहारा लेकर तैरने लगे। जब किनारा नजदीक आया, तो चिल्लाए, कौन से लड्डू, कैसे लड्डू? फिर जोर से एक लहर आई और उनके हाथ से लकड़ी छूट गई। नेता जी बोले, अरे भड़क क्यों रहे हो? मैं तो बस ये पूछ रहा हूं कि लड्डू बेसन के या बूंदी के?

बंता- तेरी बीवी ने तुझे घर से क्यों निकाला? संता- भाई तेरे कहने पर उसे चैन गिफ्ट की थी, इसीलिए निकाला। बंता- चांदी की थी क्या? संता- नहीं साइकिल की थी।

एक पार्टी में एक सज्जन ने खुद नजदीक खड़े इंसान से कहा-'औरत भी अजीब वस्तु है। कुछ देर पहले तक वह सामने वाली स्त्री मुझे देख मुस्करा रही थी एवं अब ऐसे घूर रही है, जैसे कच्चा ही चबा जाएगी।' 'जी हां, मेरी पत्नी का मूड इसी तरह बदलता रहता है।' नजदीक खड़े इंसान ने उत्तर दिया।

कहानी | किसान की परमात्मा से नाराजगी

एक बार एक किसान परमात्मा से बड़ा नाराज हो गया! कभी बाढ़ आ जाये, कभी सूखा पड़ जाए, कभी धूप बहुत तेज हो जाए तो कभी ओले पड़ जाये! हर बार कुछ ना कुछ कारण से उसकी फसल थोड़ी खराब हो जाये! एक दिन बड़ा तंग आकर उसने परमात्मा से कहा, देखिये प्रभु, आप परमात्मा हैं, लेकिन लगता है आपको खेती बाड़ी की ज्यादा जानकारी नहीं है, एक प्रार्थना है कि एक साल मुझे मौका दीजिये, जैसा मैं चाहू वैसा मौसम हो, फिर आप देखना मैं कैसे अन्न के भण्डार भर दूंगा! परमात्मा मुस्कुराये और कहा ठीक है, जैसा तुम कहोगे वैसा ही मौसम दूंगा, मैं दखल नहीं करूंगा! किसान ने गेहूं की फसल बोई, जब धूप चाही, तब धूप मिली, जब पानी तब पानी! तेज धूप, ओले, बाढ़, आंधी तो उसने आने ही नहीं दी, किसान ने मन ही मन सोचा अब पता चलेगा परमात्मा को, की फसल कैसे करते हैं, फसल काटने का समय भी आया, किसान बड़े गर्व से फसल काटने गया, लेकिन जैसे ही फसल काटने लगा, एकदम से छाती पर हाथ रख कर बैठ गया! गेहूं की एक भी बाली के अन्दर गेहूं नहीं था, सारी बालियां अन्दर से खाली थी, बड़ा दुखी होकर उसने परमात्मा से कहा, प्रभु ये क्या हुआ? तब परमात्मा बोले, ये तो होना ही था, तुमने पौधों को संघर्ष का जरा सा भी मौका नहीं दिया ना तेज धूप में उनको तपने दिया, ना आंधी ओलों से जूझने दिया, उनको किसी प्रकार की चुनौती का अहसास जरा भी नहीं होने दिया, इसीलिए सब पौधे खोखले रह गए, जब आंधी आती है, तेज बारिश होती है ओले गिरते हैं तब पौधा अपने बल से ही खड़ा रहता है, वो अपना अस्तित्व बचाने का संघर्ष करता है और इस संघर्ष से जो बल पैदा होता है वही उसे शक्ति देता है, उर्जा देता है, सोने को भी कुंदन बनने के लिए आग में तपने, हथौड़ी से पिटने, गलने जैसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है तभी उसकी स्वर्णिम आभा उभरती है, उसे अनमोल बनाती है! उसी तरह जिंदगी में भी अगर संघर्ष ना हो, चुनौती ना हो तो आदमी खोखला ही रह जाता है, ये चुनौतियां ही हैं जो आदमी रूपी तलवार को धार देती हैं, उसे सशक्त और प्रखर बनाती हैं, अगर प्रतिभाशाली बनना है तो चुनौतियां तो स्वीकार करनी ही पड़ेंगी, अन्यथा हम खोखले ही रह जायेंगे। अगर जिंदगी में प्रखर बनना है, प्रतिभाशाली बनना है, तो संघर्ष और चुनौतियों का सामना तो करना ही पड़ेगा!

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज मेहनत का पूरा फल मिलेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। भूमि, आवास की समस्या रह सकती है।

वृषभ व्यवसाय ठीक चलेगा। अपनी बुद्धिमत्ता से आप सही निर्णय लेने में सक्षम होंगे। आज भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी।

मिथुन आज यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। धन के मामले में जोखिम न लें।

कर्क व्यापार में आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। विवाद न करें।

सिंह धन की बकाया वसूली के प्रयास आज सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय बढ़ेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी।

कन्या बिजनेस में नए लाभकारी अनुबंध होंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी में मनोनुकूल समय रहेगा। पारिवारिक झंझटों में न पड़ें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी का ध्यान रखें।

तुला आज धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कार्यस्थल पर वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

वृश्चिक आज का समय ठीक नहीं है। वाहन, मशीनरी तथा अग्नि के प्रयोग में अधिक सावधानी रखें। धन के लेन-देन में बाहरी लोगों पर अधिक विश्वास न करें।

धनु व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय काम बनेंगे। संतान के सेहत की चिंता रहेगी। जोखिम न उठाएं। संतान से मदद मिलेगी।

मकर धन-संपत्ति के कार्य आज अनुकूल लाभ देंगे। छात्रों को परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा।

कुम्भ व्यापारिक कामकाज में धैर्य रखने से सफलता मिल सकेगी। कोई योजनाएं फलीभूत होंगी। मित्रों में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें।

मीन व्यापारिक क्षेत्र के अनुभवी व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। धन के मामले में दूसरों से अपेक्षा न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

रामायण में जटायु की आवाज बनेंगे अमिताभ बच्चन

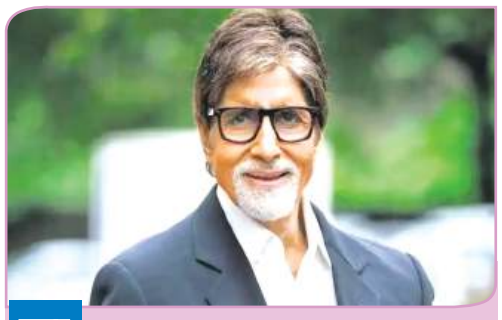

डायरेक्टर नितेश तिवारी की रामायण बॉलीवुड के उन प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिनका इंतजार जनता और इंडस्ट्री दोनों टकटकी लगाए कर रहे हैं। अभी तक मेकर्स ने इस फिल्म की कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट शेयर नहीं की है। मगर एक्टर्स के इंटरव्यूज और सेट से सामने आई तस्वीरों ने ही दिखा दिया है कि नितेश तिवारी, रामायण की कहानी को बहुत ग्रैंड अंदाज में पर्दे पर लेकर आने के लिए तैयार हैं। अभी तक ये सामने आ चुका है कि रणबीर कपूर फिल्म में प्रभु श्रीराम का किरदार निभा रहे हैं और साई पल्लवी उनकी पत्नी सीता के रोल में हैं। भगवान हनुमान का किरदार सनी देओल, लक्ष्मण का रवि दुबे और कैकेयी का लारा दत्ता को दिया गया है। अब इस फिल्म से दो एक्साइटिंग डिटेल्स सामने आई हैं। पीपिंग मून की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रणबीर कपूर, रामायण में डबल रोल करने वाले हैं। वो फिल्म में राम और परशुराम दोनों के किरदार निभाएंगे। सूत्र के हवाले से बताया गया कि रामायण में जब श्रीराम ने भगवान शिव का धनुष तोड़ा तो अपने गुस्से के लिए विख्यात परशुराम वहां आ पहुंचे थे, जिसके बाद उन दोनों के बीच एक कमाल का संवाद रामायण में दर्ज है। हिंदू माइथोलॉजी में राम और परशुराम, दोनों भगवान विष्णु के अवतार हैं। परशुराम का किरदार, राम की कहानी में भले छोटा हो मगर बहुत महत्वपूर्ण है। और रामायण के मेकर्स ने तय किया है कि वो इसी महत्व के साथ फिल्म में परशुराम के किरदार को दिखाएंगे। इसलिए दोनों विष्णु अवतारों का किरदार रणबीर ही निभाएंगे। परशुराम के लुक में रणबीर का लुक बहुत अलग होगा और उन्हें पहचान पाना बहुत मुश्किल होगा। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन भी, दो पार्ट में बन रही रामायण का हिस्सा होंगे। हालांकि, वो खुद फिजिकली स्क्रीन पर नजर नहीं आएंगे। जानकारी बताती है कि अमिताभ इस फिल्म में जटायु के किरदार को आवाज देंगे।

दीया मिर्जा को डेब्यू के वक्त लगता था डर, बोलीं -

बड़े स्टार्स नई एक्टर्स को लेकर थे बहुत डिमांडिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने 2001 में फिल्म रहना है तेरे दिल में से बॉलीवुड डेब्यू किया था और पहली फिल्म से ही वो जनता की फेवरेट बन गई थीं। आज भी दीया की फैन फॉलोइंग बहुत तगड़ी है। लेकिन अब दीया ने बताया है कि जिस दौर में उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा वो एक्ट्रेसेज के लिए काफी मुश्किलों भरा था। दीया ने बताया कि आज से 20 साल पहले, शुरुआती 2000 में एक्ट्रेसेज के वजन को लेकर इंडस्ट्री की एक ख़ास उम्मीद रहती थी। और इसकी वजह से दीया बहुत घबराई हुई रहती थीं। दीया ने ये भी बताया कि बड़े स्टार्स अपने सामने कास्ट होने वाली एक्ट्रेस को लेकर बहुत डिमांडिंग थे। करियर की शुरुआत में दीया को उतनी खास कामयाबी नहीं मिली। उन्होंने कहा, मैं हर्ट थी। मैं घबराई हुई थी। मैं डर से भर गई थी क्योंकि हमें मीडिया से, इंडस्ट्री से यही पता लगता था कि औरत हो, तो आपकी शेल्फ लाइफ है।

बॉलीवुड | मसाला

चाहे आपकी उम्र 20 में ही क्यों न हो। आपको स्टार्स के साथ कास्ट नहीं किया जाएगा। दीया ने आगे बताया कि इंडस्ट्री के स्टार्स अपने साथ कास्ट होने वाली एक्ट्रेस को लेकर कई तरह की डिमांड रखते थे। उन्होंने बताया, मेल सुपरस्टार्स एक तयशुदा उम्र की एक्ट्रेस चाहते थे। आपको एक खास तरह से दिखना होता था। आपका एक तयशुदा वजन होना चाहिए। हर एक एक्ट्रेस जो शुरूआती 2000 में इंडस्ट्री में आई, उसे बताया गया कि आपका एक तयशुदा वजन होना चाहिए, आपको ऐसा दिखना है। आपको सिंगल होना चाहिए। दीया मिर्जा ने गौतम मेनन की फिल्म रहना है तेरे दिल में से एक्टिंग डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ सैफ अली खान और आर माधवन थे। इसके बाद वो दम, तहजीब, तुमसा नहीं देखा, परिणीता और लगे रहो मुन्ना भाई जैसी फिल्मों में नजर आईं। दीया हाल ही में अनुभव सिन्हा की नेटफ्लिक्स वेब सीरीज द कंधार हाईजैक में नजर आईं। शो में दीया ने एक जर्नलिस्ट का किरदार निभाया है।

दुर्गा बनकर आ रही हैं प्रणाली

ये रिश्ता क्या कहलाता है में अक्षरा का रोल निभाकर घर-घर पहचान बनाने वाली प्रणाली राठौड़ इन दिनों अपने नए शो दुर्गा को लेकर सुर्खियों में हैं। ये रिश्ता.. में मासूम अक्षरा का रोल निभाने वाली प्रणाली दुर्गा में एक अलग कैरेक्टर में नजर आने वाली हैं। शो शुरू होने से पहले उन्होंने कहा मैं जब भी कोई शो करती हूं अपना बेस्ट देती हूं। मैंने हमेशा सोच-समझकर ही शो साइन किया है। इसलिए किरदार को पूरी शिद्दत से निभाती हूं। मैं चाहूंगी कि लोगों ने मुझे जितना प्यार ये रिश्ता क्या कहलाता है में दिया। उतना ही प्यार दुर्गा सीरियल को भी दें। मैं चाहूंगी कि मेरा नया शो भी ये रिश्ता.... की तरह सक्सेफुल बने। मैं सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि शोज इतनी जल्दी क्यों बंद हो जाते हैं। मैं इतना सोचती नहीं हूं। मेरा काम है काम करना, जो प्रोड्यूसर और राइटर ने पेपर पर लिखा है, उसे पर्दे पर उतारना। मैं ईमानदारी से अपना काम करती हूं। बाकी जनता के ऊपर है कि वो किसी शो को कितना प्यार देती है। मुझे ग्लैमरस दिखना अच्छा लगता है, लेकिन मैं सबसे ज्यादा सूट, साड़ी पहनना पसंद करती हूं। मेरे पास सभी तरह के कपड़ों का कलेक्शन है। पर मुझे सिंपल रहना पसंद है। वैसे ही सोशल मीडिया पर दिखना चाहती हूं। मुझे फेक दिखना बिल्कुल पसंद नहीं है। मुझे जहां अच्छी स्क्रिप्ट मिलेगी। मैं वहां काम करने के लिए तैयार हूं। अगर मुझे टीवी पर अच्छा काम मिलेगा, तो मैं टीवी करूंगी। अगर ओटीटी से अच्छा ऑफर आएगा, तो वहां काम करूंगी। बिग बॉस में जाने का अभी कोई इरादा नहीं है।

राठौड़ बोलीं- नहीं चाहती बिग बॉस में जाना

अजब-गजब | यूपी के इटावा में 500 साल पुराना है ये बरगद

100 फीट तक फैल चुकी है शाखा रोजाना लोगों का लगता है जमावड़ा

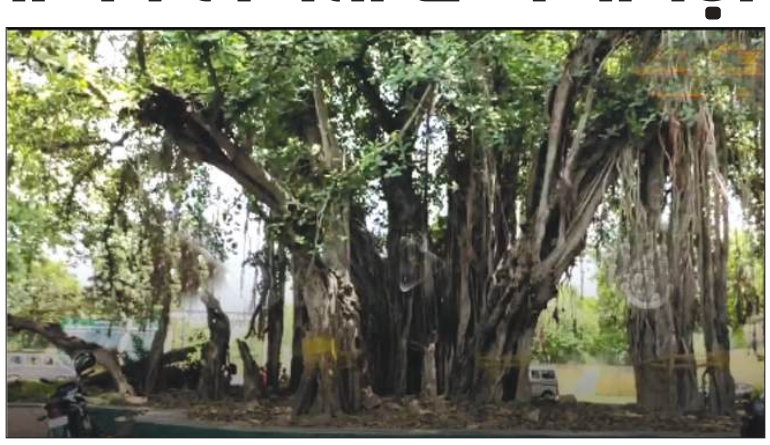

उत्तर प्रदेश के इटावा मुख्यालय पर स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क में बरगद का बेहद पुराना विशाल पेड़ है। यह बरगद का पेड़ लगभग 500 साल पुराना है। यह पेड़ लाखों लोगों को शुद्ध हवा प्रदान कर रहा है। यह पेड़ करीब 100 फीट के दायरे में फैल चुका है। इसकी जड़े इतनी प्रभावी हो चुकी है कि करीब 100 मीटर के दायरे में निकल रही है। इटावा जिला उद्यान विभाग के निरीक्षक उदय चंद्र कौशल ने लोकल 18 को बताया कि डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क स्थित बरगद का पेड़ लगभग 500 साल पुराना माना जा रहा है। सुबह-शाम पार्क में टहलने आने वाले लोगों ने बताया कि बरगद का विशाल काय बरगद का पेड़ पार्क के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह पेड़ लोगों को शुद्ध हवा मुहैया कराने में मददगार साबित हो रहा है। यहां सैकड़ों महिलाएं अपने बच्चे के साथ आमावस्या पर पूजा-अर्चना करने के लिए आजी है। इसके अलावा रोजाना हजारों लोग इस पेड़ के नीचे बैठकर स्वच्छ हवा पाते हैं। इटावा-मैनपुरी मार्ग से गुजरने वाले सैकड़ों लोग इस पेड़ की छांव के नीचे बैठ करके ठंडक का आनंद लेते है। ऐसा माना जाता है कि यह बरगद का पेड़ इटावा का सबसे बड़ा और पुराना है। लोग इस पार्क को कंपनी बाग के नाम से भी जानते हैं। लेकिन, आधिकारिक रूप से 2012 में इस पार्क का नाम समाजवादी नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया के नाम पर है। इस पार्क में प्रतिदिन 5000 की संख्या में लोग भ्रमण करने पहुंचते हैं। कई पर्यावरणीय संस्थाओं के लोग इस पेड़ की जानकारी लेने के लिए पार्क में आ चुके हैं। विभिन्न स्तर के लोग बरगद के ऐसे विशालकाय पेड़ को लेकर शोध भी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का ऐसा मानना है कि डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क स्थित यह बरगद का पेड़ इटावा का सबसे पुराना और ऐतिहासिक पेड़ है।

ट्रेन नहीं चलता-फिरता होटल, घुस गए तो नहीं होगा उतरने का मन

दुनिया में ऐसी कई अनोखी ट्रेनें हैं जिन्हें देखकर आपको हैरानी होगी क्योंकि ये ट्रेनें आपको चलते-फिरते होटल का अनुभव देती हैं। भारतीयों के लिए ऐसी ट्रेनें हैरान करने वाली बात नहीं हैं क्योंकि हमें पैलेस ऑन व्हील जैसी ट्रेनों को देखने की आदत है जो हमारे देश की शान है। पर विदेशों में भी कई ऐसी ट्रेनें हैं, जिन्हें अंदर से एक बार आपने देख लिया, या फिर अगर आप उनके अंदर घुस गए, तो निश्चित तौर पर आपको उस ट्रेन से बाहर आने का मन नहीं करेगा। ऐसी ही एक ट्रेन जापान में है। इस ट्रेन का बाथरूम इतना बड़ा है, उसे देखकर आपको ऐसा लगेगा जैसे वो काफी बड़ा रिहायशी प्लॉट हो! ट्विटर अकाउंट पर अक्सर हैरान करने वाले वीडियोज पोस्ट किए जाते हैं। हाल ही में ऐसा ही एक वीडियो शेयर किया गया है जिसमें एक ट्रेन नजर आ रही है। ये ट्रेन जापान में चलती है और इसका नाम है साफिर ओडोरिको। ये ट्रेन नहीं एक प्रकार का अनुभव है, जिसे हर किसी को एक न एक बार जरूर उठाना चाहिए। ये ट्रेन टोक्यो से चलती है और इजू प्रायद्वीप तक जाती है। रास्ते में बेहद खूबसूरत नजरे भी देखने को मिलते हैं। ट्रेन की सीटें खीड़की की ओर घूम जाती हैं। उन्हें साइटसींग के लिए ही डिजाइन किया गया है। ट्रेन के प्रीमियम कैबिन का दाम है 4500 रुपये और ट्रेन में ही एक रेस्टोरेंट भी है, जिसमें आप अपने मन मुताबिक खाने का मजा ले सकते हैं। यहां पर कई अलग-अलग तरह की सीटें उपलब्ध हैं। प्राइवेट कैबिन भी मौजूद है। अंत में महिला ट्रेन के अंदर के बाथरूम को दिखाती है, जो काफी बड़ा नजर आ रहा है। इस वीडियो को 88 लाख व्यूज मिल चुके हैं और कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक ने कहा कि जापान पूरी दुनिया से 50 साल आगे चल रहा है। एक ने कहा कि वो सिर्फ जापान में रहकर ऑनलाइन नजर आने वाली ऐसी चीजों का अनुभव लेना चाहता है। एक ने कहा कि जापान हर चीज एक कदम आगे करता है। ट्रेन देखकर लोग काफी हैरान हैं।

राष्ट्रपति को चिट्ठी लिखने पर गरमाई दिल्ली की सियासत

राष्ट्रपति शासन पर भाजपा-आप में घमासान
सरकार बर्खास्त करने के सवाल पर भी रार

» राष्ट्रपति सचिवालय ने पत्र गृह मंत्रालय को भेजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा द्वारा राष्ट्रपति को दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने व आप सरकार को बर्खास्त करने की चिट्ठी लिखने को लेकर बवाल मच गया है। भाजपा का कहना है कि मुख्यमंत्री जेल में हैं। दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था ठप है। सरकार बार-बार संविधान का उल्लंघन कर रही है। लिहाजा सरकार को बर्खास्त किया जाना चाहिए। वहीं, दिल्ली में साजिशन राष्ट्रपति शासन लगाने की आम आदमी पार्टी ने आशंका जाहिर की है।

भाजपा विधायकों की तरफ से दिल्ली सरकार को भंग करने के लिए राष्ट्रपति को सौंपे गए ज्ञापन और राष्ट्रपति सचिवालय की तरफ से इस मसले को केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजे जाने के बाद दिल्ली में आप व भाजपा के बीच तलवारें खींच गई हैं। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता की अगुवाई में भाजपा नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने 30 अगस्त को राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। भाजपा नेताओं ने राष्ट्रपति को बताया था कि अभी तक छठे दिल्ली वित्त आयोग का गठन नहीं हुआ है। वहीं, सीएजी की 11 रिपोर्ट को सदन में नहीं रखी गई है। इसके साथ केंद्र सरकार की योजनाओं को जानबूझ कर लागू नहीं किया गया है। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने इस पर सख्त प्रतिक्रिया दी है। कहा है कि भाजपा ने चुनाव से पहले ही मानी हार मान ली है। तभी चोर दरवाजे से दिल्ली सरकार को बर्खास्त करना चाहती है। आरोप है कि भाजपा का एक मात्र काम चुनी हुई विपक्षी सरकारों को गिराना है। भाजपा जब दिल्ली में आप के विधायक नहीं खरीद सकी, तो चुनी हुई सरकार को गिराने का षड्यंत्र शुरू कर दिया। आतिशी ने चेतावनी दी है कि अगर भाजपा षड्यंत्र रचकर अरविंद केजरीवाल की सरकार गिराएगी तो आने वाले चुनावों में दिल्ली की जनता भाजपा को मुंहतोड़ जवाब देगी। दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगा तो आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीरो सीटें आयेंगी। इस पर राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से सोमवार विजेंद्र गुप्ता को लिखे पत्र में कहा गया है कि दिल्ली विधानसभा के सात अन्य विधायकों और एक पूर्व विधायक के संयुक्त रूप से हस्ताक्षरित 30 अगस्त के पत्र को स्वीकार कर लिया गया है। मसले पर उचित ध्यान के लिए इसे गृह मंत्रालय के गृह सचिव को भेज दिया गया है।

सरकार गिराने का षड्यंत्र कर रही भाजपा : आतिशी

बीजेपी को हार का डर सता रहा है : संजय सिंह

वहीं, आप सांसद संजय सिंह का कहना है कि भाजपा तय करे, उसे दिल्ली में आज हारना है या चार महीने बाद। भाजपा दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहती है। इसका मतलब है कि उसकी मंशा चार महीने पहले हारने की है। अगर भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव में अभी हारना चाहती है तो चुनाव की घोषणा कर दे, हम पीछे नहीं हट रहे हैं। संजय सिंह का आरोप है कि देश में आर्थिक-सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों को आरक्षण मिला है, इसे खत्म करने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। सिखों के प्रति दुर्भावना रखने वाली भाजपा ने किसान आंदोलन के दौरान उन्हें पाकिस्तानी, खालिस्तानी और आतंकवादी कहा था।

दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था ठप : विजेंद्र गुप्ता

नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने फिर से दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है। गुप्ता के मुताबिक, वित्त आयोग का गठन न होने से दिल्ली नगर निगम की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है। पिछले पांच महीने से विधानसभा का सत्र तक नहीं बुलाया गया है। सत्र के दौरान प्रश्नकाल नहीं रखा जाता है। बारिश में 50 लोगों की मौत हो गई। जगह-जगह जलभराव हो रहा है जिस कारण ट्रैफिक जाम की समस्या है। सड़कें टूटी हुई हैं और हर दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। गुप्ता ने कहा कि शराब घोटाला मामले में मुख्यमंत्री जेल में हैं। कैबिनेट की बैठकें तक नहीं हो रही है। दिल्ली जल बोर्ड 73,000 करोड़ रुपये कर्ज में है। दिल्ली स्किल आंत्रप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी में एक हजार करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है। राजनीतिक नियुक्तियां की जा रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय के 12 कॉलेजों को फंड ही नहीं मिल रहा। सियासत करने की जगह इस पर दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी का जवाब देना चाहिए।

17 आईपीएस अधिकारी इधर से उधर

» प्रताप गोपेंद्र यादव पुलिस अधीक्षक पीटीसी मुरादाबाद बनाए गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में 17 आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। कमिश्नरेट में तैनात अफसरों को इधर से उधर किया गया है। आईपीएस प्रताप गोपेंद्र यादव को पुलिस अधीक्षक पीटीसी मुरादाबाद नियुक्त किया गया है। आईपीएस अवधेश सिंह को पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निवारण संगठन में नियुक्ति दी गई है। आईपीएस आरती सिंह को पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर में पुलिस उपायुक्त के पद पर भेजा गया है। आईपीएस अंकिता शर्मा को पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर में पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनाती दी गई है।

आईपीएस चंद्रकांत मीना को पुलिस कमिश्नरेट वाराणसी में पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनाती दी गई है। आईपीएस साद मिया खां को पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात किया गया है। आईपीएस सूरज कुमार राय को पुलिस कमिश्नरेट आगरा में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। आईपीएस सैय्यद अली अब्बास को भी पुलिस कमिश्नरेट आगरा में पुलिस उपायुक्त के पद पर भेजा गया है। आईपीएस मनीष कुमार शांडिल्य को 4वीं वाहिनी पीएसी प्रयागराज में सेनानायक के पद पर भेजा गया है। आईपीएस राहुल भाटी को यूपीएसएसएफ लखनऊ में सेनानायक के पद पर तैनात किया गया है।

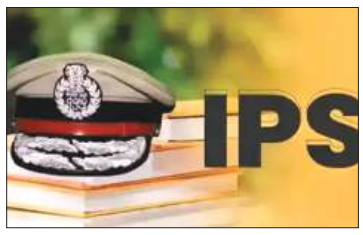

मप्र में किसान न्याय यात्रा से भाजपा घबराई

» कांग्रेस की इस यात्रा को कृषि मंत्री ने बताया किसानों का अपमान

» बुजुर्ग नेताओं की अनदेखी कर रहे जीतू पटवारी : भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में युवा बेरोजगारों के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस किसानों की परेशानियों को लेकर किसान न्याय यात्रा निकल रही है जिसे लेकर प्रदेश भर में सियासी घमासान शुरू हो गया है। न्याय यात्रा को कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने किसानों का अपमान बताया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के किसान खुशहाल है। किसानों को कोई परेशानी नहीं है। कांग्रेस जबरन मुद्दा बनाने का प्रयास कर रही है।

आजादी के बाद 50 साल तक केंद्र और राज्यों में कांग्रेस की सरकार रही है आखिर उन्होंने किसानों के सम्मान के लिए क्या किया कांग्रेस के नेता यह बताएं। यात्रा से पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और कमलनाथ की दूरी पर कृषि मंत्री ने कहा कि जीतू पटवारी अपने पार्टी के बुजुर्ग नेताओं का अपमान कर रहे हैं, तो किसानों के साथ न्याय कैसे कर सकते हैं। पटवारी कांग्रेस में थर्ड फ्रं ट बनाकर नेता बनना चाहते हैं लेकिन यह संभव नहीं है। केंद्रीय कृषि मंत्री द्वारा महाराष्ट्र में सोयाबीन फसल का एमएसपी बढ़ाए जाने के बयान पर कहा कि शिवराज सिंह चौहान ने सोयाबीन की एसपी बढ़ाने की बात कही है तो वह पूरे देश में लागू होगी।

प्रदेश के हर जिला कलेक्टर कार्यालय को घेरेगी युवा कांग्रेस

मध्यप्रदेश में 11 सितंबर संपूर्ण मप्र में सोयाबीन की फसल का उचित मूल्य न देने के संबंध में प्रदेश भर में युवा कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जिला कलेक्ट्रेट पर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे और ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री को वो वादा याद दिलाएंगे। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने कहा कि लागत और मूल्य आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में सोयाबीन के लिए लागत, आयोग द्वारा कम आंकी जाती है। जबकि भारत में महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश ही सोयाबीन उत्पादन के लिए सबसे बड़े राज्य हैं। मध्य प्रदेश की सरकार बजाय किसानों की आय दोगुना करने के उनके साथ सौतेला व्यवहार करती आ रही है। चुनाव जीतने के लिए प्रदेश के किसानों से भाजपा ने घोषणा पत्र में झूठ बोला कि चुनाव जीतने पर गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 और धान का 3100 प्रति कुंतल किया जाएगा।

भाजपा सांप्रदायिक तनाव भड़का रही : सोरेन सरकार

» झारखंड सरकार ने हिमंत और शिवराज के खिलाफ चुनाव आयोग को लिखा शिकायती पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड सरकार ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। पत्र में सरकार ने चुनाव आयोग से अपील की है कि वह केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भाजपा नेता हिमंत बिस्व सरमा और शिवराज सिंह चौहान को सांप्रदायिक तनाव भड़काने रोकने के लिए कहे। दोनों नेता आधिकारिक तंत्र का दुरुपयोग कर रहे हैं। इसके जवाब में भाजपा ने दावा किया कि झामुमो गठबंधन की सरकार विधानसभा चुनाव को हार को लेकर डर गई है।

मामले में सरमा ने कहा कि अगर ऐसा कोई पत्र लिखा गया है, तो चुनाव आयोग उस पर संज्ञान लेगा। उन्होंने कहा कि मैं कोई राजनीति नहीं कर रहा हूं। मैं हेमंत सोरेन से राज्य में सुधार करने के लिए कहता हूं। वह आबकारी कांस्टेबल भर्ती अभियान के दौरान मारे गए युवाओं के परिवार के सदस्यों को नौकरी दें। झारखंड के कैबिनेट सचिवालय और सतर्कता विभाग की प्रधान सचिव वंदना डाडेल ने चुनाव आयोग को लिखे पत्र में भाजपा पर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को डराने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। कहा गया है कि भाजपा धार्मिक भावनाओं को प्रभावित करके और सांप्रदायिक अशांति पैदा करके क्षेत्र में तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। पत्र में चुनाव आयोग से निष्पक्षता सुनिश्चित करने और आगामी विधानसभा चुनावों के संबंध में झारखंड में तैनात सरकारी अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने से पहले विस्तृत जांच करने का भी आग्रह किया गया है।

राज्य सरकार को उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने से किसने रोका : भाजपा

भाजपा ने कहा कि अगर सरमा और चौहान के काम कानून के खिलाफ थे तो राज्य सरकार को उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने से किसने रोका? विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी ने कहा कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था है, राजशाही नहीं। एक राजनीतिक नेता देश के किसी भी हिस्से में जा सकता है और अपनी पार्टी के विचार रख सकता है।

मणिपुर जल रहा है, कहां हैं जेम्स बॉन्ड : राउत

शिवसेना यूबीटी सांसद के निशाने पर आए एनएसए अजीत डोभाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने एक बार फिर मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। इतना ही नहीं इस बार राउत के निशाने पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी आ गए। संजय राउत ने कहा, वो नेशनल सुरक्षा सलाहकार कौन हैं, जेम्स बॉन्ड.. वो कहां हैं।

दरअसल, संजय राउत मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के गृह मंत्री अमित शाह दो दिन से मुंबई में हैं, चुनाव का जायजा ले रहे हैं, लेकिन वे मणिपुर नहीं जा पा रहे हैं, वहां जायजा नहीं ले पा रहे हैं, राउत यहीं नहीं रुके उन्होंने कहा कि आपके वो नेशनल सुरक्षा सलाहकार कौन हैं, जेम्स बॉन्ड, वो कहां हैं. वे यूक्रेन में जाकर युद्ध बंद करा रहे हैं। मणिपुर हिंसा की आग में लगातार चल रहा है. राज्य में आरक्षण को लेकर पिछले साल 3 मई को हिंसा की शुरुआत हुई थी। अब तक हिंसा में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है. हजारों लोग बेघर हुए हैं। ये हिंसा मैतेई और कुकी समुदाय के बीच फैली है। हाल ही में कुकी उग्रवादियों द्वारा ड्रोन से हमले किए गए हैं। पिछले दिनों मणिपुर में हिंसा में 6 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद राज्य में स्थिति फिर बिगड़ गई. राजधानी इंफाल में कर्फ्यू लगाया गया है। केंद्र सरकार ने सुरक्षाबलों के 2000 अतिरिक्त जवानों को भी भेजा है।

भाजपा ने भुलावे में रखकर धोखा दिया : उद्धव ठाकरे

यूबीटी शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने शिवसेना के टुकड़ों को में बांटने का दोष बीजेपी पर मढ़ा है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम ने कहा भाजपा ने उन्हें भुलावे में रखा और धोखा दिया। राजनीति में उनके इस बयान के कई मायने हो सकते हैं, लेकिन अगर सीधा सा अर्थ लगाया जाए, तो उनका संकेत साफ नजर आता है। उनके इस बयान के मायने ये हैं कि बीजेपी को शिंदे का साथ नहीं बल्कि उद्धव ठाकरे का साथ देना था, ताकि वे महाराष्ट्र की सत्ता में बने रहते। लेकिन हुआ उनकी (उद्धव ठाकरे) अपेक्षा के ठीक उल्टा। दरअसल, शिवसेना जब दो धड़ों में बंटी तो बीजेपी ने शिंदे गुट का साथ दिया था और फिर से बीजेपी ने शिंदे गुट की सरकार ने शपथ ली।

पीएम मोदी पर भी किया हमला, नीतीश व नायडू को भी घेरा

राउत ने पीएम मोदी के यूक्रेन के दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि वे वहां युद्ध की भूमि पर जाकर फोटो खिंचाते हैं, वे मणिपुर की सड़कों पर चलकर दिखाएं। अपने आप को भगवान बताते हैं। भगवान सिर्फ लाशों को देख रहा है। राउत ने कहा, मणिपुर में जो कुछ हो रहा है, उसके जिम्मेदार सिर्फ चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार हैं, इन लोगों की वजह से ही देश की सत्ता इनके हाथों में है।

जम्मू को राज्य का दर्जा बहाल कराना मेरी प्राथमिकता : उमर

एनडीए सरकार को दी चेतावनी, कहा- जायेंगे सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि केंद्र शासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, उन्होंने कहा कि अगर उनकी मांग स्वेच्छा से पूरी नहीं हुई तो वे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि शुरुआत में मुख्यमंत्री की शक्तियां 2019 से पहले के दौर की तुलना में बहुत सीमित होंगी।

उन्होंने कहा, शुरुआत में मुख्यमंत्री की शक्तियां हमारी अपेक्षा से बहुत सीमित होंगी। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, हमारा मानना है कि यह बहुत अस्थायी चरण होगा, क्योंकि जम्मू-कश्मीर को राज्य और पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना होगा। अगर हम स्वेच्छा से ऐसा नहीं करते हैं, तो हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने कहा, संसद में सदन के पटल पर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने हमें वचन दिया है कि जम्मू-कश्मीर को उसका राज्य का दर्जा वापस दिया जाएगा। भारत सरकार और सुप्रीम कोर्ट ने भी हमें वचन दिया है। इसलिए जैसा कि मैंने कहा, यह विधानसभा वह विधानसभा नहीं है जो हम चाहते हैं, लेकिन हम जो विधानसभा चाहते हैं वह इसी विधानसभा से निकलेगी।

विधानसभा में प्रस्ताव लाएंगे, 5 अगस्त 2019 हमें स्वीकार नहीं : नेकां

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370 को बहाल करना भले ही एक लंबा संघर्ष हो, लेकिन जम्मू-कश्मीर विधानसभा द्वारा एक प्रस्ताव के माध्यम से राज्य के दर्जे की मांग को पूरा किया जा सकता है। अब्दुल्ला ने कहा, मैंने कहा है कि विधानसभा को एक प्रस्ताव पारित करना चाहिए, जिसमें कहा जाए कि 5 अगस्त, 2019 को हमारे साथ जो किया गया, उसे हम स्वीकार नहीं करते हैं और लोग उस निर्णय का हिस्सा नहीं थे। उन्होंने कहा, जो लोग 2019 से दुनिया को यह बताने के अलावा कुछ नहीं कर रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर के लोग (अनुच्छेद 370 को निरस्त करने) से वास्तव में खुश हैं, कि जीवन बहुत बेहतर हो गया है, और इसके लिए सर्वसम्मति से स्वीकृति के अलावा कुछ नहीं है... कम से कम हम इसे कभी-कभी खारिज कर देंगे।

महिला फ्लाइंग ऑफिसर का विंग कमांडर पर यौन उत्पीड़न का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। भारतीय वायुसेना की एक महिला फ्लाइंग ऑफिसर ने आरोप लगाया है कि श्रीनगर के एयरफोर्स स्टेशन पर तैनात विंग कमांडर ने उसका यौन उत्पीड़न किया। बड़गाम पुलिस स्टेशन में विंग कमांडर के खिलाफ बलात्कार का आरोप लगाने वाली शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज की गई, जिसकी एक प्रति एचटी ने देखी है।

दर्ज की गई एफआईआर

26 वर्षीय महिला अधिकारी ने आरोप लगाया कि उसे लगातार उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न और मानसिक यातना दी गई। भारतीय वायुसेना ने कहा कि वह पुलिस के साथ सहयोग कर रही है। भारतीय वायुसेना के दोनों अधिकारी वर्तमान में श्रीनगर में तैनात हैं। महिला अधिकारी द्वारा शिकायत के एक दिन बाद, रविवार को मध्य कश्मीर के बडगाम पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 376 (2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर में, महिला अधिकारी ने आरोप लगाया कि 31 दिसंबर, 2023 को श्रीनगर के एयरफोर्स स्टेशन के ऑफिसर्स मेस में आयोजित नए साल की पार्टी के बाद उसे विंग कमांडर पर यौन क्रिया करने के लिए मजबूर किया गया।

यूपी व एमपी में भारी बारिश की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस बार मॉनसून का सीजन कुछ दिनों के लिए आगे बढ़ गया है और कई राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने देश के अलग-अलग राज्यों में भी भारी बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने पूर्वी राजस्थान, ने कहा है पूर्वी मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। उधर यूपी राजधानी लखनऊ में मंगलवार की देर रात तेज बारिश हुई।

ये सिलसिला बुधवार को भी जारी रहा। सुबह से ही बादल लगे थे। दोपहर होते-होते तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। शहर में जगह-जगह वर्षा की वजह से जाम लग गया। कई इलाकों में जलजमाव से लोग परेशान रहे।

लखनऊ में जोरदार वर्षा से लोग परेशान

बंगाल की खाड़ी में बने अवदाब का असर

मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बने अवदाब के बाद अब 11 से 14 सितंबर के दौरान प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं अलग-अलग स्थानों पर 12 से 14 सितंबर के दौरान कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। साथ ही दक्षिणी उत्तर प्रदेश में 11-13 सितंबर के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। विदर्भ में भी आज भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है।

मस्जिद विवाद : हिंदू संगठनों का विरोध प्रदर्शन

शिमला में लोगों ने तोड़ी बैरिकेडिंग, पुलिस ने किया लाठीचार्ज, भारी पुलिस बल तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। शिमला में कथित अवैध मस्जिद के निर्माण को लेकर तनाव बढ़ गया है। शहर में एक कथित अवैध मस्जिद के निर्माण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। कुछ हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था जिसके बाद कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए संजौली इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

पुलिस ने आंदोलनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्के लाठीचार्ज और पानी की बौछारों का सहारा लिया क्योंकि उन्होंने मस्जिद स्थल तक पहुंचने के लिए बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश की थी। विरोध के आह्वान से पहले, भारत नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा आदेश जारी किए गए थे, जिसमें बिना किसी अनुमति के सार्वजनिक स्थानों पर पांच या अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने पर रोक लगाई गई थी। प्रदर्शनकारियों में से एक ने दावा किया कि प्रदर्शनकारियों को पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों से हिरासत में लिया जा रहा है। शिमला के जिलाधिकारी अनुपम कश्यप ने बताया कि संजौली क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की मौजूदा स्थिति तथा सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका के कारण निषेधाज्ञा लागू की गई है। आदेश में कहा गया कि सार्वजनिक रैली, बिना अनुमति के जुलूस और भूख हड़ताल, धरना, सार्वजनिक स्थानों पर नारेबाजी, सड़कों, राजमार्गों, फुटपाथ और यातायात की सामान्य आवाजाही में बाधा उत्पन्न करना तथा किसी भी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा सार्वजनिक स्थान, सड़क और पूजा/प्रार्थना स्थलों पर ज्वलनशील वस्तुओं को ले जाना भी प्रतिबंधित है। यह आदेश बुधवार को सुबह सात बजे से रात 11 बजकर 59 मिनट तक पूरे संजौली क्षेत्र में प्रभावी रहेगा।

सरकार मामले को दबाने की कोशिश कर रही : जयराम

हिमाचल प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि यह जनभावनाओं से जुड़ा मामला है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार इस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।